



1/465

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 1, 1982/माघ 12, 1903  
No. 1] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 1, 1982/MAGHA 12, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## वित्त मंत्रालय

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज I

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब  
(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सो०/एम्पू०/एस० आर०-III/5/81/193—अतः मुझे एम० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है और जहाँ उक्त अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित 'रजिस्ट्रार' अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में तथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. सै० माधु दान्नी बिल्डर्स प्रा० लि० 23/2 सुसुफ मराय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमल नारायण कीन द्वारा) (अन्तरक)
2. श्रीमती माहा बाबन पारा कजारावा कनोकरम गली, मुरदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि तक में समाप्त होनी है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर उक्त स्थवर सम्पत्ति में निम्नलिखित दिनांक पर अधिक द्वारा, अवहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में दया परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(बेसमेंट) प्रो० न० एम-13 ग्रेटर कैलाश, नयी दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-1-82

मोहर :

### MINISTRY OF FINANCE

Office of the Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range I

Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961  
(43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq I/SR-III/5-81/193.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Basement (S-13) situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. South Delhi Builders (P) Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- Smt. Shahana Begum w/o Fazallahma r/o Knokram Street, Moradabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Basement in property No. S-13, Greater Kailash-I, N. Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax) Acquisition Range I Delhi/New Delhi.

Dated : 23-1-82

Seal

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1)  
के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर०-III/5-81-302.—अतः मुझे एस० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एम-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (धर्मरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उम्मेदबानों में सुविधा के लिए और/या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या मध्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मै० साऊथ दिल्ली बिल्डर्स प्रा० लि० 23/2 युसुफ सराय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमल नारायण कौल द्वारा) (धर्मरक)
- श्रीमती जान कौर पत्नी श्री एम० जगत सिंह सी/सी० हान बाजार अमृतसर (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जों के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जों के पश्चात् में कोई भी आशे

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० ए, एस-13 का हिस्सा, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

तारीख 23-1-1982  
मोहर

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I दिल्ली/नई दिल्ली

#### Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/302.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Flat No. 'A', S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. South Delhi Builders (P) Ltd., r/o 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- M/s. Geyan Kaur w/o S. Jagat Singh C/o Hall Bazar, Amritsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the Official Gazette;

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No. 'A' (Ground Floor) part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range I Delhi|New Delhi

Date : 23-1-1982

Seal:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B(1)  
के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस० आर-III/5-81/242 :—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन आवेष्टित, मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिक्रम के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम के पद्धतः प्राप्ति के लिए और अन्तरगत (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:—

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरगत के दायित्व में कमी करने या उनमें बचो में गुवित्रा के लिए; और/या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाता बट्टा या, छिपाये में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

- मैसर्स साऊथ दिल्ली बिल्डर्स प्रा० लि०, 23/2 युसुफ सराय नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कामल नारायण कौल द्वारा)

(अन्तरक)

- श्रीमती ईश्वर कौर पत्नी सर० जोगिन्द्र सिंह,

पता : डी-16, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-110048 (अन्तरिणी)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शिकायत

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या मत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से

30 दिन की अवधि, जो बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्तुतारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोजित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० बी० साउथ पलोर, प्रो० नं० एस-13 का हिस्सा, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण),  
अपन रेंज I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 17-1-1982

संहर

#### Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. 1/SR-III/5-81/242.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Flat No. 'B' G.F. S-13, situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi, on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. South Delhi Builders Pvt Ltd, 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through Director Shri. Kamal Narain Kaul. (Transferor);
- Smt. Ishwar Kaur w/o S. Joginder Singh r/o D-16, Kailash Colony, New Delhi-48. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 'B' Ground Floor, measuring 965 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,

Date : 27-1-1982.

Inspecting Assistant Commissioner of

Seal

Income Tax, Acquisition Range I

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर०-III/5-81/1961—अतः मुझे, एम० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269(1) के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (जो इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, मई, 1981 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल के परवर्त प्रमाण अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- सैम० साऊथ दिल्ली बिल्डर्स प्रा० लि०, 23/2 युसुफ सराय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमल नारायण कौल द्वारा) (अन्तरक)



2. श्रीमती मीरा शर्मा, पत्नी श्री वी० के० शर्मा 573. सेक्टर-3  
आर० नं० पुरम, नई दिल्ली अन्तरिती

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अवेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० बी, प्रो० नं० एस-13 का हिस्सा, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रैंज 1

तारीख : 27-1-82

दिल्ली/नई दिल्ली

मोहर

#### Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SK-III 5-31,196.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. B, P.I., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi, on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- (2) Smt. Meera Sharma w/o Sh. V. K. Sharma r/o 573, Sector III, R. K. Puram, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No. 'B' (F.F.) measuring 277.5 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date 27-1-82

Seal

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर०-III/5-81/194 :—यतः मुझे, एस० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिससे इसमें इसके पञ्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिम द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. मैस० साउथ दिल्ली विल्डर्स प्रा० लि० 23/2 युसुफ सराय, नई दिल्ली (डायरक्टर था कमल नारायण कौल द्वारा) (अन्तरक)

2. कुमारी रंजना थापर मुपूर्वा स्व० श्री बी० आर० थापर सी०/ओ० सिडिकेट बैंक, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यहाँ अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी, एस-13 का हिस्सा, ग्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी

तारीख: 27-181 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मोहर दिल्ली/ नई दिल्ली

#### Notice under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

**No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/194.**—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. C, F.F., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd. 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)

(2) Miss Ranjana Thapar d/o late Sh. B. R. Thapar C/o Syndicate Bank, Asafali Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the Official Gazette :

**Explanation :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No. C, first floor, area 908 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर०-III/5-81/241 :—अतः मुझे एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एम०-13 है तथा जो ग्रैंटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के

दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित बना प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मैस० साउथ दिन्दी विल्डर्स प्रा० लि० (अन्तरक) 23/2 युसुफ सराय, नई दिल्ली (डायरेक्टर श्री कमल नारायण कौल द्वारा),
2. श्रीमती सतेन्द्र भगवन्त सिंह पत्नी (अन्तरिणी) स्व० भगवन्त सिंह पत्नी- एस० 13, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोध—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अवसती, एस० 13, का हिस्सा, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I  
दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 27-1-82  
मंजूर

Notice under section 269 D(I) of the Income Tax Act, 1961  
(43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/241.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Barsati, S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul (Transferor).
- (2) Smt. Satinder Bhagwant Singh w/o late Bhagwant Singh, S-13, Greater Kailash-I, New Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Barasati measuring 842.5 sq. fts. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982, Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस० आर०-III/5-81/195,--अब मुझे एस० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या एस०-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली 1 में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ठीके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित



उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में आन्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाढ़। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कर्मों करने या उमरे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आनिधियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री माउथ दिल्ली बिल्डर्स प्रा० लि० (अन्तरक), 23/2, युसुफ सराय, नई दिल्ली (आयकर अधिकारी श्री कमल नारायण कौल द्वारा),
2. श्री एस० गुप्ता भार्गव मूल श्री आर० सी० भार्गव (हस्ताक्षर) पता--एस०-13, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिये कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कार्य भी आये। :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि बाद में समाप्त नहीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्वाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में सूचीबद्ध है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० सी० ग्राउंड फ्लोर, क्षेत्र 750 वर्ग फीट, प्री० नं० एस० 13 का हिस्सा ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता, मध्यम अधिकारी

तारीख 27-1-82 मद्रास आयकर अधिकारी (निरीक्षण) अर्जुन रंज डी मोहर दिल्ली/नई दिल्ली

Notice under section 269 D(I) of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/ SR-III/5-81/195.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. Flat No. C, G.F., S-13, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering

officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, (therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd., 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Shri Kamal Narain Kaul (Transferor).
- (2) Shri S. N. Bhargava S/o Shri R. D. Bhargava R/o S-13, Greater Kailash-I, New Delhi (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette :

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Flat No. 'C' Ground Floor, measuring 750 sq. ft. part of property No. S-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एस०-1/एस० आर० III/5-81/303.—अतः मुझे एस० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मध्यम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी मूल्या एस०-13 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकूल



के लिये अन्तरित की गई है और ऐसे यह विश्वास का कारण है कि प्राप्ति का उचित मूल्य प्राप्त, उचित दूरमान प्रतिक्रिया में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के पक्ष प्रमाण अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरि (अन्तरि) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब तक गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण प्रमाण में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई निर्णय का कारण, अन्तरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसा किनी आय या किसी धन या अन्य आधित्वों को, निम्ने आन्तरिक आन्तरिक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आन्तरिक अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धन-अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन से अन्तरित होना प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, धियान में सुविधा के लिये,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अर्थात् निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

- (1) मै० साउथ दिल्ली बिल्डर्स प्रा० लि० 23/2 युसुफ सगय, नई दिल्ली (काइरेक्टर श्री कमल नारायण कौल द्वारा) (अन्तरक)
- (2) श्रीमती धनवन्त कौर और मिस्टर सुरजीत सिंह, एम-69, मालवीय नगर, नई दिल्ली। (अन्तरि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या संबंधित व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किया जा सके।

**स्पष्टीकरण :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, या उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० (मैजनीन फ्लोर, अक्ष 997 वर्ग फीट), सम्पत्ति नं० एम-13 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी  
तारीख: 27-1-82 गृह मंत्रालय आयकर (निरीक्षण)  
मोहर: अर्जन रेंज-I, दिल्ली/ नई दिल्ली

Notice under section 269 D(1) of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/303.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Flat No F-1, S-13, situated at Greater Kai-

lash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. South Delhi Builders Pvt. Ltd, 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi through its Director Sh. Kamal Narain Kaul. (Transferor)
- (2) Smt. Dhanwant Kaur, and Mr. Surjeet Singh r/o M-69, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee) ;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette .

**Explanation :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### SCHEDULE

Flat No. F-1, Mazanine floor, measuring 887 sq. ft. part of property No. S-13. Greater Kailash-I. New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority  
Date : 27-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस० आर०-III/5-81/214—अतः मुझे, एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 16/2213 है तथा जो नई बाला, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे पश्चात् अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

Date 27-1-1982  
Seal

S. R. GUPTA, Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना**

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एफ०-III/एस० आर०-III/5-81/216--अन: मुझे, एम० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हमको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम अधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या के-18 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्स्टेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मई, 1981 को पूर्वांक मर्यादा के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकर्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर्ष के पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए रूप पाया गया प्रतिकर्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोबिन्द राम मुकुन्द ओ गणेश दास, राजारानी पत्नी गोदिव्य श्रीमती: सोमवती पत्नी स्व० भूली सिंह, पत्नी के-17 ग्रीन पार्क एक्स्टेंशन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. डॉ० जे० एन० माथुर मुकुन्द डा० एम० माथुर और डा० (श्रीमती) मद्रालमा माथुर पत्नी जे० एम० माथुर, ई-12, पना ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में वर्णित परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

अधूरा मकान (टेम्परेरी स्ट्रक्चर)

प्लॉट नं० के-18, 208 वर्ग गज ग्रीन, पार्क एक्स्टेंशन, नई दिल्ली  
खसरा नं० 4, खतौनी नं० 12/56, क्षेत्र गांव का: मुमुक संगाय, नई दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता, मक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 27-1-1982  
महंर:

अर्जन रज 1, दिल्ली/नई दिल्ली

**Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)**

New Delhi, the 27th January, 1982

**No. IAC/Acq-ISR-III/5-81/216.**—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. K-18, situated at Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gobind Ram S/o Ganesh Dass, Raj Rani w/o Gobind Ram; Smt. Som Wati w/o late Bhooli Singh R/o K-17, Green Park Extn., New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. J. S. Mathur S/o Dr. D. S. Mathur and Dr. (Mrs.) Madalsa Mathur w/o J. S. Mathur r/o E-12, Green Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

Incomplete house (temporary structure) on plot No., K-18,  
208 sq. yds I.H.S.Ra No 4, Khatam No. 12/56,  
Green Park Extn., (Hari Nagar), New Delhi area  
of village Yusuf Sarai, New Delhi.

Date : 27-1-1982  
Seal :

S. R. GUPTA, Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition, Range 1  
Delhi/New Delhi.

प्रायःकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं. आई०ए०सी०/एक्यू-1/एस० आर०-III/5-81/306--अनं मुझे, एस० आर० गुला, कायस्थ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कृता गया है) की धारा 209ख के अधीन गक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रणायर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सख्या 14/12 है तथा जो कालका जी, नई दिल्ली में स्थित है (और इन्में उदाहरण तृतीया में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तहत तारीख मई, 1981 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से कम दृश्यमान प्रतिक के लिए 'आधार' की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक में, जो उदाहरण प्रतिक के उचित प्रतिष्ठापित हैं और अन्तरक (अन्तरक) और उदाहरण (अन्तरक) के बीच में अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिक, विनिर्दिष्ट, उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में अस्मिक रूप में कृषि नहीं किया जाये --

(क) आन्ध्र प्रदेश के विभिन्न भागों में बांध बनाने का कार्यक्रम, 1961-1962 से 1970-71 तक के प्रयत्न कर देवे कि राज्य के साहित्य में उच्च स्तर पर विकास हो सके।

(ख) ऐसे निम्नलिखित मामलों में धन वापस आम्निता का, जिन्हें भारत सरकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम, 1931 (1931 का 43) या प्रत्यक्ष, अधिनियम, 1937 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रोट नष्ट किया जा था, निम्न जना चाहिए, निम्नलिखित दिनांक पर:

श्री अरु, 'ज्वाः कागिधिया' तः धारा 2(9)-1 के अनुकरण से, मैं  
उक्त अधिनियम से धारा 2(9)-2 का उद्धार (1) के प्रदान निम्न-  
लिखित व्यक्तियों, प्रथम - -

- 1 स्वचंडन नीडर एस० एस० पुरी सुपुत्र एस० एन० पुरी, पता नं- ११,  
डी० डी० ए० पलैट, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली (धनारक)
- 2 राजेश मलिक सुपुत्र श्री नन्द किशोर पता 3/1 काठवा जं,  
नई दिल्ली (धनरिती)

को यह सूचना जारी रखे, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही प्रारम्भ करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शिकायत—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उपर्युक्त व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जहाँ भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापन गणपति में दिवबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताओं के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रार्थना :- हमसे प्रयुक्त अथवा शरीर पुराने का, जो प्रायः अभिव्यक्ति, 1961 (1961 का 43) के प्रमाण 20-क से यथा- परिभाषित है, यही गर्भ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

प्लॉट न० 11/12, कासका जी, नई दिल्ली, क्षेत्र 200 वर्ग गज।

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,  
राष्ट्रियक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अजेन्ट रैंज I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 27-1-1982  
मोहर :

**Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961  
(43 of 1961)**

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq.-J/SR-III/3-81/306.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 14/12, situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the name of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

No., therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

- (1) Sq. Ldr. S. M. Puri S/o Sh. S. L. Puri, R/o B-76, DDA Flats, Masjid Moth, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Rajesh Malik S/o Sh. Nand Kishore, R/o 311, Kalkaji, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days



from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the Official Gazette :

**Explanation**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### SCHEDULE

Plot No. 14/12 Kalkaji, New Delhi measuring 200 sq yds.

S. R. GUPTA, Competent Authority  
Date 27-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-II/5-81/310—यस मुझे,  
एस० आर० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे हमें इसके पक्षान्तर 'उक्त अधिनियम' कहा है) की  
धारा 269-घ के अधीन न्याय अधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000  
रु० से अधिक है और जिसकी संख्या जे/1851 है तथा जो चित्तूरंजन  
पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
मई, 1981 को पूर्णक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित आधार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त प्रान्तशिक्षा में सम्पत्ति रूप में कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तव आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के चान्तरक के  
दायित्व में बन्नी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या
- (ख) ऐसी किमी धन या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिम  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था,  
क्रियाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण से, मैं  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. डा० अमीय कुमार बासु  
पी-32, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री मती विजया जोशी, एस-230  
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही  
शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की  
रकबत या भूस्वामियों व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30  
दिन की अवधि बाद में सम्पन्न होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति  
द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 1851 ब्लॉक नं० जे०, क्षेत्र 217 वर्ग मीटर चित्तूरंजन पार्क  
नई दिल्ली

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण),  
तारीख 27-1-82 अर्जन रेंज दिल्ली/नई दिल्ली  
माह

#### Notice under section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/310.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 1851, Block-J situated at Chittranjan Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer : and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Dr. Amiya Kumar Basu, P-32, South Extension, Part-II New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt Vijaya Joshi, S-230, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other person interested in the Official Gazette :

**Explanation :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Plot No. 1851, Block-J area 217 sq. yds. Chittranjan Park, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ

(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एचयू०-I/एस० आर०-III/5-81/323 —प्रतः मुझे, एम० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सी-455 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दूरान्तर प्रतिकूल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वा पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उगम करने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुवर्णन में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

2 रमेश कुमार जैन, 405-कुचा ब्रजवाध,  
चावनी चौक दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के पदों के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थात् 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अर्थात् में दिया गया है।

अनुसूची

सी-455, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

एम० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 27-1-82

मोहरः

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961  
(43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. 1/SR-III/5-81 323.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. C-455, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at New Delhi on May 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

1. प्रेम कोषकर, कु० बेला कोषकर और दूसरे

सी-438, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Prem K. Bar, Miss Bela Kochar, Miss Gauri Kochar, Gopal Kochar and Gobind Kochar, r/o C-438, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar Jain, 405, Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette :

**Explanation.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C-455, Defence Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority,

Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एस०-III/5-81/197.—अन: मुझे, एम० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम अधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या न० 2 है तथा जो फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची से पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मेवास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्य से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों का, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्न-निर्दिष्ट व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैंग० एमकोर्ट्स ट्रेडर लि०, रजि० एन०आई० हाउस, रोपनारा रोड, दिल्ली 1 (अन्तरक)

2. मैंग० निजी नागा इडिया प्रा० लि०, रजि० आफिस महाजन हाउस ई-1 एड 2 साऊथ ऐक्सलान्त पाटे-2, रिग रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती) को यह सूचना जाग करके पुरक्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अधिकतम 30 दिनों की अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण वृद्धि का अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्याख्यायित हैं, यही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

बंगला नं० 2, फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली 1

एम०आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 23-1-82,  
माह

#### Notice Under Section 269(D)(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq.-ISR-III/5-81/197.—Whereas I, S. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Bungalow No. 2, situated at Friends Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Escorts Tractors Limited, Registered Office at Escorts House, Roshanara Road, Delhi. (Transferee) ;
- (2) M/s. Niky Tasha India (P) Limited, Registered Office at Mahajan House, E-1 and 2, South Extension Part II, Ring Road, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow No. 2, Friends Colony, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 23-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ(1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी 1982

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/5-81/256.—प्रत. मुझे, एस० आर० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् गुप्ता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269अ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्हावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सी-89 है तथा जो आनन्द निकेतन, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वतन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धाय या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए या छिपाने में सूचना के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शिव नर सिंह ब्राह्मण निवासी सी-89, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. डा० धर्मवीर मन्वेडा और श्रीमता चम्पा मन्वेडा निवासी के-35, कनाट प्लेस, नई दिल्ली (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समस्थान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी बाद में समाप्त होगी, दो के भीतर पूर्वाधिक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रो० न० सी-89, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली ।

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-1-82

मोहर :

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/256.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. C-89, situated at Anand Niketan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—



- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Nabh Singh Uberoi, C-89, Anand Niketan, New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. Dharam Vir Sachdeva and Mrs. Champa Sachdeva r/o K-35, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

**Explanation.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. C-89, Anand Niketan, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 23-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range 1  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के  
अधीन सूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

सं. आई. एं. सी. ०/एक्यू. ०-1/एस. ० धारा ० [11/5-81/320]—अतः मुझे, एस. ० धारा ० गुप्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधिनियम के अधिकांश का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या पी-8/सी है तथा जो हौज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार ऑफ अधिकांश के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 81 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अनापूर्विक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टान्त प्रतिफल से, कम दृष्टान्त प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया अन्तरक 1270 GI/81—3

निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती. सुमित्रा डी. एन. सिंह पता नं० 8/सी, हौज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती. माहिनी जयदेव रोलवाली और दूसरे पी-8/सी हौज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली (अन्तरिकी)

का यह सूचना जारी करके सूचित सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाही शुरू कर रहा हूँ। उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्पत्ति से कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अन्तर्मुखी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में सम्पत्ति हांती है, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् अन्तर्मुखी के पात्र लिखित में किये जा सकेंगे।

**व्याख्या**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुच्छेद 269-क में वर्णित-परिभाषित है, यहाँ पर वे होंगे, जो उक्त अनुच्छेद में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रो० नं० पी-8/सी, हौज खास एन्क्लेव, नई दिल्ली।

एस० धारा ० गुप्ता, सक्षम अधिकारी

तारीख 23-1-1982

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर

घर नं० 1, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

Notice Under Section 269D(1) of The Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 23rd January, 1982

No. IAC/Acq. 1/SR-III/5-81/320.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. P-8/C, situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s. Sumitra Dogar Singh r/o, D-8/C, Hauz Khas Enclave, New Delhi. (Transferor);  
(Transferor)
- Smt. Mohini Jaidev Dolwani and others r/o P-8/C, Hauz Khas Enclave, New Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the Official Gazette;

**Explanation**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Property No. P-8/C, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 23-1-1982 Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I

Delhi/New Delhi

प्राप्तक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

सं० आई० ए० सी०/एच० 1/एस०आर०-III/5-81/59—धन: मुझे, एस० आर० गुप्ता प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन गक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी रजिस्ट्री नं० जी-36 है तथा जो राधे पुरी, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध धनसूची में पूर्व रूप में धर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1981 को पूर्वीक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की वसूली प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमो करने या उन्हे न करने में सुविधा के लिए और/या
- ऐसे किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अधीन:—

- 1 राकेश कुमार काहली गुरुव और नाल मुकुंद और दूसरे, जी-36, राधे पुरी, दिल्ली-51 —(अन्तरक)
- 2 द्वारका नाथ नाथ पाल गुरुव और लक्ष्मण दाग, जी-3/21 इण्डिया नगर दिल्ली-51 —(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्त

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के धार में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा.

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विपक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किया जा सके।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रतिसूची

प्रति० नं० जी-36 क्षेत्र वसु पूज राम खुरेजी खाम राधे पुरी, दिल्ली।

तारीख 27-1-82  
मोहर

एस० आर० गुप्ता, सक्षम अधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1 दिल्ली/नई दिल्ली

Notice under section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 27th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-IV/5-81/59.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value, exceeding Rs. 25000 and bearing No. G-36, situated at Vill. Khureji Khas, Radhey Puri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1938 (16 of 1938) in the Office of the registering officer on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- Shri Rakesh Kumar Kohli S/o Shri Bal Mukand Kohli and others r/o G-36, Radhey Puri, Delhi-51. (Transferor);
- Shri Dwarka Nath Nagpal S/o Shri Lachhman Dass r/o D-3/21, Krishna Nagar, Delhi. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the Official Gazette;

**Explanation.**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. G-36, area 228 sq. yd. Vill. Khureji Khas, Radhey Puri, Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority

Date : 27-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B(1) के  
अधीन सूचना

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1982

सं० आई०ए०सी० एक्स्प०-1/एस० आर०-III/5-81/190.—प्रति : मुझे, एस० आर० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अन्तर्गत नज़र अधिकांश को, यह विचार करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या डी-28 है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और हमने उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार ऑफिस के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन संलग्न हुई, 1981 को पूर्णक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विचार करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे

अन्तरक के लिए न्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- अन्तरक से हुई (क) या (क) बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धन में सुविधा के लिए और/या;
- ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था/छिपाने में सुविधा के लिए,

इस, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B को उप-धारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

- श्री एल०आर० गुप्ता और श्री पी०सी० गुप्ता सुपुत्र श्री मोहन लाल निवासी ए-10, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)

- श्री लाल निवासी और श्री लाल निवासी पता : - 21-जंगपुरा रोड, मोहन, नई दिल्ली। (अन्तरित)

का यह सूचना जारी करने पूर्वक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करा है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति ;

- इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि तक में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

- इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्यादर सम्पत्ति में अन्तर्गत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवांछित/अपेक्षित के पात्र निम्नलिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत 20-क में स्यादर-परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० डी-28, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

दि० 29-1-1982  
सील

एस०आर० गुप्ता, मध्य अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अन्तर्गत रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002  
को० जी० न.य.र. अपर सचिव

Notice Under Section 269D(1) of The Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 29th January, 1982

No. IAC/Acq. I/SR-III/5-81/190.—Whereas I, S. R. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. D-28, situated at Jangpura Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at on May, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri L. R. Luthra and Shri P. C. Luthra S/o Shri Mohan Lal r/o A-10, Green Park, New Delhi.  
(Transferor).

- (2) Shri Chotey Lal Tiwari and Shri Hira Lal Tiwari r/o 24-Jangpura Road, Bhogal, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Property No. D-28, Jangpura Extension, New Delhi.

S. R. GUPTA, Competent Authority  
Date 29-1-1982. Inspecting Assistant Commissioner of  
Seal Income Tax, Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.  
K. G. NAIR, Additional Secy.